



आयुक्त का कार्यालय, अपीलस(

Office of the Commissioner,

केंद्रीय जीएसटी, अहमदाबाद आयुक्तालय

Central GST, Appeal Commissionerate- Ahmedabad

जीएसटी भवन, राजस्व मार्ग, अम्बावाड़ी अहमदाबाद ३८००१५.

CGST Bhavan, Revenue Marg, Ambawadi, Ahmedabad 380015

☎ : 079-26305065

टेलीफैक्स : 079 -26305136



रजिस्टर्ड डाक ए.डी. द्वारा

क फाइल संख्या : File No : V2(GST)5/Ahd-South/2019-20 & V2(GST)6/Ahd-South/2019-20

ख अपील आदेश संख्या Order-In-Appeal Nos. AHM-EXCUS-001-APP-JC-04&05-2019-20/22252 T022256
दिनांक Date : 29-08-2019 जारी करने की तारीख Date of Issue ०१/०९/२०१९

श्री सचिन गुसिया संयुक्त आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

Passed by Shri. Sachin Gusia, Joint. Commissioner (Appeals)

ग Arising out of Order-in-Original No. CGST/WS07/Ref-324/MK/AC/2018-19 दिनांक: 21.02.2019
and CGST/WS07/Ref-325/MK/AC/2018-19 दिनांक: 21.02.2019 issued by Assistant
Commissioner, Div-VII, Central Tax, Ahmedabad-South

घ अपीलकर्ता का नाम एवं पता Name & Address of the Appellant / Respondent
Dyna Automation Pvt. Ltd.
Ahmedabad

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथार्थिती नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person aggrieved by this Order-In-Appeal issued under the Central Excise Act 1944, may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India :

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली : 110001 को की जानी चाहिए।

(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानि कारखाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।



(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।

(c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आर्वेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

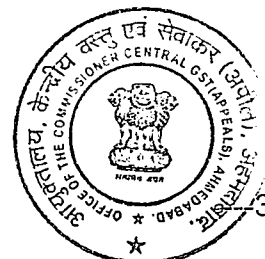
सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

(क) उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मैन्टल हास्पिटल कम्पाउण्ड, मेघाणी नगर, अहमदाबाद-380016

(a) To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.



The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

- (3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

- (4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

- (5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

- (6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट), के प्रति अपील के मामले में कर्तव्य मांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के अंतर्गत, शामिल होगा "कर्तव्य की मांग"(Duty Demanded) -

- (i) (Section) खंड 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (ii) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (iii) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि.

⇒ यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में, अपील' दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited, provided that the pre-deposit amount shall not exceed Rs.10 Crores. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

इस इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो मांग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

6(I) In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty where penalty alone is in dispute."

II. Any person aggrieved by an Order-In-Appeal issued under the Central Goods and Services Tax Act,2017/Integrated Goods and Services Tax Act,2017/ Goods and Services Tax(Compensation to states) Act,2017,may file an appeal before the appropriate authority:



ORDER IN APPEAL

Two appeals have been filed by M/s. Dyna Automation Pvt. Ltd., A/1501, Mondeal Heights, Besides Novotal, S.G.Highway, Ahmedabad-380015 [for short - 'appellant'] against Order-in-Original No. (i) CGST/WS07/Ref-324/MK/AC/2018-19 and (ii) CGST/WS07/Ref-325/MK/AC/2018-19, both dated 21.02.2019 [for short - 'impugned OIOs'], and both issued under Form GST RFD -06 passed by the Assistant Commissioner, Central Tax, Division-VII (Satellite), Ahmedabad South Commissionerate [for short - 'adjudicating authority'].

2. Briefly, the facts available on records are that the appellant filed two refund claims of (i) Rs.18,525/- (IGST) and (ii) Rs.57,309/- (IGST) vide Circular No.17/17/2017-GST dated 15.11.2017 on account of supplies to SEZ unit/SEZ Developer with payment of tax of IGST. A deficiency memo dated 14.12.2018, was issued to the appellant in both the Refund matter. The appellant filed the reply to the deficiency memo on 26.02.2019. However before 26.02.2019, i.e. on 21.02.2019, the adjudicating authority vide the above referred impugned OIOs, rejected the refund claims filed by the appellant on the grounds that the afresh application of refund have not been filed within 30 days of the communication of the deficiency memo.

3. Feeling aggrieved, the appellant has filed these appeals raising the following grounds:

- that a notice in form GST RFD-08 as required under Rule 92(3) of the CGST Rules, 2017 has not been issued;
- that an opportunity of being heard as provided under Rule 92(3) of the CGST Rules, 2017 has not been provided.

4. Personal hearing in the matter was held on 30.07.2019, wherein Shri Punit Prajapati, CA, appeared on behalf of the appellant and reiterated the grounds of appeal.

5. I have carefully gone through the impugned OIOs, the grounds raised and the oral averments made during the course of personal hearing. The question to be decided in this appeal is whether the adjudicating authority erred in rejecting the refund, as claimed by the appellant.

6. The information available on records reveal that the adjudicating authority has passed the above impugned OIOs without issuing the notice and without offering the appellant, opportunity of personal hearing. Therefore the impugned OIOs are lacking on this aspect. Here, the Circular No.59/33/2018-GST dated 04.09.2018 issued by the CBIC, GST Policy Wing of Ministry of Finance, Department of Revenue from F.No.349/21/2016-GST is relevant to the facts of the present matter. The relevant point 7 of the said circular reads as under :

"7. Status of refund claim after issuance of deficiency memo :

7.1 Rule 90(3) of the CGST Rules provides that where any deficiencies in the application for refund are noticed, the proper officer shall communicate the deficiencies to the claimant in FORM GST RFD-03, requiring him to file a fresh refund application after rectification of such deficiencies. Further, rule 93(1) of the CGST Rules provides that where any deficiencies have been communicated under rule 90(3), the amount debited under rule 89(3) shall be re-credited to the electronic credit ledger. Therefore, the intent of the law is very clear that in case a deficiency memo in FORM GST RFD-03 has been issued, the refund claim will have to be filed afresh.



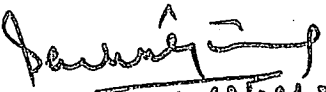
7.2 It has been learnt that certain field formations are issuing show cause notices to the claimants in cases where the refund application is not re-submitted after the issuance of a deficiency memo. These show cause notices are being subsequently adjudicated and orders are being passed in FORM GST RFD-04/06. It is clarified that show cause notices are not required to be issued where deficiency memos have been issued. A refund application which is re-submitted after the issuance of a deficiency memo shall have to be treated as a fresh application. No order in FORM GST RFD-04/06 can be issued in respect of an application against which a deficiency memo has been issued and which has not been resubmitted subsequently."

7. From above, it is clear that when a deficiency memo is issued, no SCN/Notice is required to be issued by the authority as it is on part of the assessee to file the refund application afresh after receiving the deficiency memo and the refund application would be treated as a fresh application of refund. Since there is no need for issuance of any notice after issuance of deficiency memo, the issuance of any Order in this respect does not arise. Thus, the option to file fresh refund application on part of the appellant after receipt of deficiency memo, which has been specifically granted by the CBIC, can not be taken away from the appellant.

8. In view of above, I set aside the impugned OIOs. The refund applications filed afresh by the appellant on 26.02.2019 may be considered accordingly.

9. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

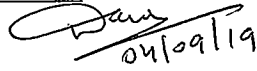
9. The appeal filed by the appellant stands disposed of in above terms.


(सचिन गुंसिया)

संयुक्त आयुक्त (अपील्स)

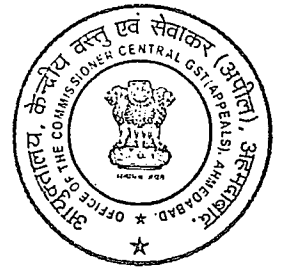
Date : . 2019

Attested


04/09/19
(Jitendra Dave)
Superintendent (Appeal),
Central Tax,
Ahmedabad.

By RPAD.

To,
M/s. Dyna Automation Pvt. Ltd.,
A/1501, Mondeal Heights, Besides Novotal,
S.G.Highway, Ahmedabad-380015



Copy to :-

1. The Chief Commissioner, Central Tax, Ahmedabad Zone.
2. The Commissioner, Central Tax, Ahmedabad South Comm'rate, Ahmedabad.
3. The Asstt. Commissioner, Central Tax Division-VII, Ahmedabad South Comm'rate, Ahmedabad.
4. The Asstt. Commissioner(System), Central Tax, Ahmedabad South Comm'rate, Ahmedabad.
- ✓ 5. Guard File.
6. P.A. File.

